Roll No. : ..... Total Pages : 4

SAN5121T

B.A. FIRST SEMESTER (NEP) EXAMINATION, 2023-24

SANSKRIT LITERATURE

Paper : First

संस्कृत काव्य - I

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 80

खण्ड-अ [Marks :16]

सभी आठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **50** शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-ब [Marks :40]

*प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
*प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

खण्ड-स [Marks :24]

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(i) 'रघुवंशम्' महाकाव्य किस कवि की कृति है?

(ii) महाकाव्य 'रघुवंश' में किस मुख्य पात्र/नायक राजा का वर्णन किया गया है?

(iii) 'शिशुपालवधम्' महाकाव्य में कुल कितने सर्ग हैं?

(iv) 'शिशुपालवधम्' महाकाव्य के रचनाकार कौन हैं?

(v) महाकाव्य 'शिशुपालवधम्' की कथावस्तु/विषयवस्तु का मुख्य स्रोत कहाँ से उद्धृत है?

(vi) 'नीतिशतकम्' काव्य में कवि किस ज्ञान की शिक्षा प्रदान करते हैं?

(vii) कवि ने 'नीतिशतक' काव्य में मानव/मनुष्य को कितनी श्रेणी में विभाजित किया है? नामों का उल्लेख भी कीजिए।

(viii) किस व्यक्ति को ब्रह्मा भी नहीं समझा सकता है?

खण्ड–ब

इकाई -I

निर्देशः निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

2. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

क्व सूर्यप्रभवो वंश क्व चाल्पविषया मतिः।
तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्।।

अथवा

व्यूढोरस्को वृषस्कन्धः शालप्रांशुर्महाभुजः।
आत्मकर्मक्षमं देहं क्षात्रो धर्म इवाश्रितः।।

इकाई-II

3. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

षड्गुणाः शक्तयस्तिस्त्रः सिद्धयश्चोदयास्त्रयः।

ग्रन्थानधीत्य व्याकर्तुमिति दुर्मेधसोऽप्यलम्।।

अथवा

तृप्तियोगः परेणापि महिम्ना न महीयसाम्।

पूर्णश्चन्द्रोदयाकाङ्क्षी दृष्टान्तोऽत्र महार्णवः।।

इकाई-III

4. 'नीतिशतकम्' का अर्थ बताते हुए मूर्ख पद्धति का वर्णन कीजिए।

अथवा

'नीतिशतकम्' काव्य की विद्धत्/विद्वान पद्धति का वर्णन कीजिए।

इकाई-IV

5. 'रघुवंशम्' महाकाव्य के राजा दिलीप का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

महाकाव्य 'रघुवंश' के प्रथम सर्ग की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

इकाई-V

6. संस्कृत काव्य में महाकवि कालिदास का स्थान निर्धारित करते हुए कवि का वर्णन कजिए।

अथवा

कवि भर्तृहरि के संस्कृत साहित्य में काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

खण्ड-स

निर्देशः निम्नलिखित दिये हुए चार प्रश्नों में से कोई भी दो प्रश्न कीजिए।

7. 'रघुवंशम्' महाकाव्य में प्रजा के कल्याण के लिए राजा दिलीप की भूमिका का विवेचन कीजिए।

8. 'शिशुपालवधम्' महाकाव्य के आधार पर भगवान श्रीकृष्ण की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

9. 'शिशुपालवधम् महाकाव्य के द्वितीय सर्ग का सार लिखिए।

10. महाकाव्य की उत्पत्ति एवं विकास का विवेचन कीजिए।

----- × -----